असाधारण व्यक्तित्व वाले आम लोगों को भी सम्मान - डॉ. चौहान

करनाल। अब सच्ची प्रतिभाओं को सम्मान मिलने लगा है। नए भारत की यह नई तस्वीर है। अब पद्म पुरस्कार सिर्फ वास्तविक हकदार लोगों को ही मिलते हैं जो धरातल पर अनूठा कार्य कर दिखाते हैं। यह बात हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपाध्यक्ष एवं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने रेडियो ग्रामोदय के लाइव कार्यक्रम में ग्रामीणों के साथ चर्चा के दौरान कही।

डॉ. चौहान ने कहा कि मीडिया की चकाचौंध से दूर रहकर असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले इन साधारण से दिखने वाले लोगों को पहले न तो कोई पहचान मिलती थी न ही कोई सम्मान। पद्म पुरस्कार मिलना तो दूर की बात थी। अब गुमनामी के अंधेरों में छिपी महान प्रतिभाओं को ढूंढ-ढूंढ कर सम्मानित किया जाने लगा है। इस वर्ष दिए गए पद्म पुरस्कार इसी बात का प्रमाण हैं।

चर्चा के दौरान पत्रकार हरविंद्र यादव के सवाल का जवाब देते हुए डॉ. चौहान ने कहा कि सत्य के साथ खड़े रहने की प्रक्रिया में चुनौतियां आती ही हैं। यह चुनौतियां छोटी या बड़ी भी हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि चुनौती यदि गंभीर हो तब भी सत्य का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। इसके लिए संघर्ष भी करना पड़े तो ऐसा करना जरूरी है। हरविंद्र यादव ने लाइव कार्यक्रम के दौरान बताया कि एक अस्पताल की अव्यवस्थाओं को दर्शाने के लिए किए गए एक स्टिंग ऑपरेशन से चिढ़ कर एक कर्मचारी ने उन्हें किस प्रकार फर्जी आरोपों में फंसा दिया। डॉ. चौहान ने उन्हें हौसला न हारने की सलाह देते हुए कहा कि सत्य परेशान भले हो जाए किंतु पराजित नहीं हो सकता। इसलिए उन्हें संघर्ष पथ पर डटे रहना चाहिए।

डा. चौहान शायद यह बताना भूल गये कि पद्म पुरस्कार पाने वाली ऐसी ही एक असाधारण 'हस्ती' कंगना रनावत की है। जिन्होंने भाजपा के इशारों पर आजादी को 'भीख' बताकर न केवल अपनी फजीहत कराई बल्कि भाजपा नेताओं की भी।

सिरे चढ़ रहा पिंगली स्थित डेयरी शिफ्टिंग का कार्य, 8 डेयरी संचालकों ने कैटल शैड की भरी फाउंडेशन, 10 खोद रहे नींव

करनाल। पिंगल स्थित डेयरी शिफ्टिंग कॉम्पलैक्स को लेकर एक अच्छी खबर। नगर निगम के प्रयासों से इस स्थल पर 8 डेयरी संचालकों ने कैटल शैड की नींव भर डाली है, जबकि 10 प्लॉटों में शैड के निर्माण के लिए नींव की खुदाई का कार्य चल रहा है। गुरूवार को निगमायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने इस स्थल का दौरा करने के बाद यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि काफी समय से नगर निगम का प्रयास रहा है कि शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पिंगली स्थित डेयरी कॉम्पलैक्स पर शहर में मौजूद डेयरियों को शिफ्ट किया जाए, अच्छी बात यह है कि अब यह सिरे चढ़ रहा है। उन्होंने शुरूआती प्रगति को देखकर डेयरी प्लॉटो की नींव भर रहे संचालकों को वायदे के अनुसार 3 फुट तक मिट्टी की भरपाई करने के लिए निगम अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ में यह भी कहा कि डेयरियों के निर्माण में उनकी जो भी छोटी-छोटी जायत जरूरतें होंगी, उसे भी पूरा करेंगे। इसे लेकर उन्होंने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्लॉटों तक वाटर सप्लाई की लाईन पहुंचाई गई है, जिन डेयरी मालिकों ने शेडो का निर्माण शुरू कर दिया है, वहां निगम की ओर से पानी की टैप लगवा दें। उन्होंने दौरे में साथ गए बिजली निगम के एसडीओ को निर्देश दिए कि डेयरी शिफ्टिंग स्थल पर बिजली की लाईने पहले से ही लगा दी गई थी, अब जो भी डेयरी मालिक मीटर कनैक्शन के लिए अप्लाई करे, उसे तुरंत दे दिया जाए।

निगमायुक्त ने दौरे में शामिल निगम के कार्यकारी अभयंताओं को निर्देश दिए कि प्लॉटो के आस-पास उगी जंगली घास दोबारा बढ़ गई है, इसे साफ करवा दें। एंट्री पर अच्छी-खासी चौड़ाई का गेट लगाया जाए और सभी डेयरी प्लॉटो के नम्बर एक साईनेज बोर्ड पर लगे होने चाहिए।

दौरे को लेकर निगमायुक्त ने यह भी जानकारी दी कि डेयरी शिफ्टिंग स्थल पर 231 डेयरियों के प्लॉट काटे गए हैं, इनमें से 112 अलॉट भी हो चुके हैं, अब तक 89 ने 20 प्रतिशत की किस्त भर दी हैं, 23 व्यक्तियों ने यह किस्त जमा नहीं करवाई है। बतौर निगमायुक्त ऐसे व्यक्तियों को अंतिम नोटिस देकर उनका प्लॉट कैंसल किया जाएगा। उन्होंने डेयरी शिफ्टिंग को लेकर निर्माण देखकर 15 दिन बाद इसकी प्रगति देखने के लिए विजिट करने की बात कही।

इसके पश्चात नगर निगम आयुक्त ने वार्ड 16 में करीब 500 मीटर लम्बे एक रास्ते का निरीक्षण किया, इस पर टाईलें लगी हुई थी। अब ढींगा खेड़ा चौक से बाबा मस्तगिरी अखाड़े तक फैले इस रास्ते पर उन्होंने पक्की सड़क बनाने की स्वीकृति की बात कही। इस पर अनुमानित 73 लाख रुपये की राशि खर्च होगी। निगमायुक्त के दौरे में उपनिगमायुक्त अरुण कुमार, कार्यकारी अभियंता अक्षय भारद्वाज, सतीश शर्मा व मोनिका शर्मा, सचिव बल सिंह, ए.ई. सतीश मित्तल व मदन मोहन गर्ग, भूमि सहायक प्रदीप शर्मा तथा जेई मनीश लाठर व कृष्ण कुमार मौजूद रहे।

सरकार ने बात नहीं मानी तो पश्चाताप के सिवाय कुछ नहीं मिलेगा:चढूनी

करनाल (जेके शर्मा) करनाल पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के नेता गुरनाम सिंह चढूनी ने भाजपा-जजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की सरकार के पास अभी टाइम है, सरकार को समझ जाना चाहिए और किसानों की बात मान लेनी चाहिए। किसान लोकहित में लड़ रहे हैं। आंदोलन के दौरान 700 किसान बैठे-बैठे शहीद हो गए। चढूनी ने दो दिन पहले करनाल में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के किसान आंदोलन को लेकर दिए बयान पर भी अपना पक्ष रखा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा था कि किसान आंदोलन कुछ लोगों का आंदोलन है, जो जिद के कारण ऐसा कर रहे हैं। इस पर चढूनी ने कहा कि किसान जिद पर अड़ा है। किसान जब कृषि कानूनों को नहीं चाहते तो सरकार क्यों थोप रही है। सरकार से रवैये से स्पष्ट है कि उसकी मंशा क्या है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में डीएपी खाद की कमी और सरकार असलियत छिपा रही हैं। जब उन्हें पता है कि कमी है तो उसे दूर करने का प्रयास करे। कंपनियां छोटे दुकानदारों के पास खाद भेज रही हैं। हमने मुख्यमंत्री को लिखित में भेजा है, जो ट्रेन आई है और उसमें खाद और दवा साथ आई है।उन्होंने बताया कि बसताड़ा टोल पर जो लाठीचार्ज हुआ था, उसमें एक किसान सुशील काजल की मौत हुई थी। कई किसान घायल हुए थे। मौके पर तैनात डयूटी मजिस्ट्रेट ने सिर फाडने् के आदेश किए थे, जो अवैध थे। पुलिस की मौजूदगी में गाड़ियां तोड़ी गई थीं, जो अवैध थी। क्योंकि लाठी मारने का आदेश तो टांगों से नीचे होता है और सिर फोडने् का आदेश तो बिल्कुल नहीं होता है। लाठीचार्ज से पहले चेतावनी देनी होती है।

आंसू गैस व वाटर कैनन का प्रयोग होना चाहिए था। लेकिन ऐसा न करके सीधे ही किसानों के सिर फोड़े गए। इससे स्पष्ट है कि प्रशासन-पुलिस किसानों के सिर फोडने् के इरादे से ही पहुंची थी। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के 1 साल पूरा होने पर संसद कूच की तैयारी है। 29 नवम्बर से संसद की तरफ कूच किए जाने का कार्यक्रम तय किया गया है।

मांगें मनवाने आए कर्मचारियों को सीएम ने किया निराश

करनाल(जेके शर्मा) सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के शिष्टमंडल ने प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा के नेतृत्व में मंगलवार को पीडब्ल्यूडी बीएंड आर रेस्ट हाउस में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर विभिन्न विभागों से बर्खास्त एवं छंटनी ग्रस्त शिक्षकों व कर्मियों की सेवा बहाली की मांग की। मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों की सेवा बहाली का ठोस आश्वासन तो नहीं दिया, लेकिन अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने छंटनी ग्रस्त कर्मचारियों की सेवा बहाली, कच्चे कर्मियों को पक्का करने पक्का होने तक समान काम समान वेतन व सेवा सुरक्षा प्रदान करने, पुरानी पेंशन बहाली, लिपिक को पे-मैट्रिक्स लेवल-6 में 35400 वेतनमान देने, निजीकरण और ठेका प्रथा को खत्म कर खाली पड़े पदों को भरने आदि मांगों को लेकर 12 दिसंबर को जिला मुख्यालयों पर हल्ला बोल प्रदर्शन करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री से मिले शिष्टमंडल में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा, महासचिव सतीश सेठी,उप प्रधान सीलक राम मलिक, केन्द्रीय कमेटी के सदस्य कृष्ण चंद्र शर्मा व शारदा ने कहा कि सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने मुख्यमंत्री के सामने दस साल संतोषजनक सेवा करने के उपरांत सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नौकरी से बर्खास्त किए गए 1983 पीटीआई, 816 ड्राइंग टीचर व 1518 ग्रुप डी खेल कोटे के कर्मचारियों को एडजस्ट करने की मांग को प्रमुखता से उठाया। शिष्टमंडल का कहना था कि पीटीआई व ड्राइंग टीचर के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भर्ती प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए थे। जिसके कारण सरकार ने तत्कालीन हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करवाने का काम किया था। इसलिए सरकार ने पीटीआई व ड्राइंग टीचर को शिक्षा विभाग में एडजस्ट करने का वादा किया था। लेकिन अभी तक इसको पूरा नहीं किया गया। जिसके कारण बर्खास्त पीटीआई व ड्राइंग टीचर के सामने भूखा मरने की नौबत आ गई है और 24 पीटीआई मौत के मुंह में चले गए हैं। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा व महासचिव सतीश सेठी ने बताया कि शिष्टमंडल ने मुख्यमंत्री को स्वास्थ्य, कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड, हसन खां मेवाती मेडिकल कॉलेज नल्हड़ नूंह, गोल्ड फिल्ड मेडिकल कॉलेज छायंसा फरीदाबाद,हारट्रान पंचकूला, नगर निगमों, परिषदों, पालिकाओं, बिजली निगम, ईएसआई, सिंचाई, जनस्वास्थ्य, बीएंडआर, मंडी बोर्ड, मार्किट कमेटी, डिट्स, विश्विद्यालय, पशुपालन, बागवानी, वन विभाग, आईसीडीएस व पुलिस महिला वलिंटयर को वापस ड्यूटी पर लेने की मांग की है। इस मौके पर जिला प्रधान मलकीत सिंह व सचिव सुशील गुर्जर आदि मौजूद थे।